**भारत सरकार**
**पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 368**
**बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

## कोच्चि में आयोजित अंटार्कटिक संधि परामर्शदात्री बैठक

†368. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री सुधीर गुप्ता:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या 46वीं अंटार्कटिक संधि परामर्शदात्री बैठक (एटीसीएम) और पर्यावरण संरक्षण समिति की 26वीं बैठक कोच्चि में आयोजित की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विश्व भर में आए शिष्ट मंडलों के कुल कितने सदस्यों ने बैठक में भाग लिया और उसके क्या निष्कर्ष रहे;

(ग) क्या 35 साल पहले बना मैत्री स्टेशन पूरी तरह से नष्ट हो गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का अंटार्कटिक में मैत्री-2 अनुसंधान स्टेशन बनाने का प्रस्ताव है और यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसे किन-किन सुविधाओं से सुसज्जित किए जाने की संभावना है; और

(ङ) क्या अंटार्कटिक महाद्वीप में स्थित भारत के स्टेशनों पर कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या में तैनाती नहीं है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए है?

**उत्तर**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। 46वीं अंटार्कटिक संधि परामर्शदात्री बैठक (एटीसीएम) और पर्यावरण संरक्षण समिति की 26वीं बैठक 20 से 30 मई 2024 तक कोच्चि, केरल में आयोजित की गई। यह बैठक पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा अपने स्वायत्त संस्थान राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), गोवा के माध्यम से आयोजित की गई ।

(ख) 46वीं अंटार्कटिक संधि परामर्शदात्री बैठक के लिए कुल 404 प्रतिनिधियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 328 व्यक्तिगत रूप से और 76 वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए। दस दिवसीय बैठक में, प्रतिनिधियों ने अंटार्कटिक पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन के निहितार्थ और संबंधित शासन मुद्दों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की। पहली बार, अंटार्कटिक पर्यटन को विनियमित करने पर एक व्यापक चर्चा शुरू की गई। बैठक के दौरान, बढ़ते पर्यटन और संबंधित गैर-सरकारी गतिविधियों के प्रबंधन के लिए एक मजबूत, अनुकूल और गतिशील ढांचा तैयार करने का निर्णय लिया गया।

(ग) जी नहीं। भारत का दूसरा अनुसंधान स्टेशन मैत्री, जो 1988-89 में पूर्वी अंटार्कटिका के शिरमाकर ओएसिस में बनाया गया था, अभी भी प्रचालन में है। हर साल अंटार्कटिका के लिए भारतीय वैज्ञानिक अभियान के तहत भारतीय टीम अनुसंधान स्टेशन पर रुकती है और गर्मियों के साथ-साथ सर्दियों के अभियान के लिए अवसंरचना का उपयोग करती है।

(घ) जी हां। मैत्री-II अनुसंधान स्टेशन के निर्माण के लिए पूर्वी अंटार्कटिका के शिरमाकर ओएसिस में एक उपयुक्त स्थल की पहचान की गई है और निर्दिष्ट क्षेत्र का विस्तृत स्थलाकृतिक मानचित्र तैयार किया गया है।

(ङ) जी नहीं। अंटार्कटिका महाद्वीप पर भारत के स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारी तैनात हैं। हर साल किसी विशेष अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए लगभग 100 वैज्ञानिक और लॉजिस्टिक कर्मियों की एक टीम तैनात की जाती है।

*****